अध्याय
02

यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

पृष्ठभूमि

सामाजिक परिवर्तन का युग

फ्रांसीसी क्रांति के बाद यूरोप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचार फैलते जा रहे थे जिससे सामाजिक संरचना के क्षेत्र में परिवर्तन की संभावना का सूत्रपात हो गया।

भारत में भी राजा राममोहन राय और डेरोजियों ने फ्रांसीसी क्रांति के महत्व का उल्लेख किया है।

लेकिन यूरोप में सभी लोग अमूल समाज के परिवर्तन के पक्ष में नहीं थे।

उदारवादी, रैडिकल और रूढ़िवादी

1. उदारवादी
2. एक ऐसा राष्ट्र चाहते थे जिसमें सभी धर्मों को बराबर का सम्मान और जगह मिले।
3. वंश आधारित सत्ता का विरोध करते थे। व्यक्ति के अधिकार के पक्षधर थे । सार्वभौमिक मताधिकार के पक्षधर थे।
4. रेडिकल
5. एक ऐसा सरकार के पक्ष में थे जो देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित हो,ये महिला मताधिकार के समर्थक थे।
6. जमींदार और संपन्न उद्योगपतियों को प्राप्त किसी भी प्रकार के विशेषाधिकार के खिलाफ थे।निजी संपत्ति के विरोध नहीं करते थे लेकिन कुछ लोगों के पास संपत्ति के संकेंद्रण का विरोध करते थे।
7. रूढ़िवादी
8. रेडिकल और उदारवादी दोनों के खिलाफ थे।
9. मगर फ्रांसीसी क्रांति के बाद इसमें बदलाव की जरूरत को स्वीकार करने लगे थे।

औद्योगिक समाज और सामाजिक परिवर्तन

1. औद्योगिक समाज और सामाजिक परिवर्तन
2. यह दौर सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव का था।
3. नए शहर बस रहे थे,नए-नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे थे।

© JCERT not to be republished

4. बेरोजगारी बढ़ गई थी। शहर तेजी से बढ़ रहा था, जिससे आवास और साफ-सफाई का काम मुश्किल होता जा रहा था।

5. लगभग सभी उद्योग व्यक्तिगत स्वामित्व में थे बहुत सारे रैडिकल और उदार वादियों के पास भी काफी संपत्ति थी उनके बहुत सारे लोग नौकरी तथा व्यापार करते थे।

6. 19वीं शताब्दी के शुरुआती दशकों में समाजिक परिवर्तन बहुत सारे स्त्री और पुरुष आबादी और रैडिकल समूह व पार्टियों के इर्द-गिर्द गोलबंद हो गए थे।

यूरोप में समाजवाद का आना।

1. यूरोप में समाजवाद का आना।

2. 19वीं सदी तक समाजवाद एक जाना माना विचार था।

3. समाजवादी निजी संपत्ति के विरोधी थे इंग्लैंड के राबर्ट ओवन ने 'इंडियाना' यानी अमेरिका में नया समन्वय के नाम से एक नए तरह के समुदाय की रचना का प्रयास किया था।

4. फ्रांस के लुई ब्लांक चाहते थे कि सरकार पूंजीवादी उद्योग की जगह सामूहिक मुद्दों को बढ़ावा दें।

5. कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स का विचार था कि औद्योगिक समाज पूंजीवादी समाज है मार्क्स का विचार था कि पूंजीपतियों के साथ होने वाले संघर्ष में जीत अंततः मजदूर की ही होगी जो भविष्य का समाज होगा वह कम्युनिस्ट समाज होगा।

समाजवाद के लिए समर्थन

1. समाजवाद के लिए समर्थन

2. समाजवादी विचार 1870 के दशक आते-आते फैल चुका था।

3. अपने प्रयासों को समन्वय लाने के लिए समाजवादियों ने द्वितीय इंटरनेशनल नाम के संस्था की स्थापना की थी।

4. 1905 तक ब्रिटेन के समाजवादी और ट्रेड यूनियन आंदोलनकारियों ने लेबर पार्टी के नाम से अपनी एक अलग पार्टी बना ली थी।

रूसी क्रांति

1. रूसी क्रांति

2. रूसी क्रांति में 1917 की अक्टूबर क्रांति के जरिए सत्ता पर समाजवादियों का कब्जा हुआ।इससे पहले फरवरी 1917 में राजशाही का अंत हो चुका था।

3. 1914 रूसी साम्राज्य मास्को के आस-पास का भूक्षेत्र के अलावा आज का फिनलैंड, लातविया, लिथुआनिया, इस्टोनिया तथा पोलैंड यूक्रेन व बेलारूस तक फैला हुआ था।

4. अर्थव्यवस्था एवं समाज

5. समाज में लगभग 85% जनता का आजीविका का साधन खेती था तथा अनाज का निर्यात होता था।

6. पिट्सबर्ग और मास्को प्रमुख औद्योगिक इलाके थे। 1914 में फैक्ट्री में मजदूरों की संख्या 31% थी।

7. यहां के किसान समय-समय पर अपने कम्यून अर्थात् मीर को जमीन सौंप देते थे फिर कम्यून जरूरत के हिसाब से जमीन बाँटता था।

© JCERT not to be republished

8. रूस में समाजवाद

9. मार्क्स के मानने वाले समाजवादियों ने 1898 में 'रशियन डेमोक्रेटिक वर्कर्स पार्टी' का गठन किया। रूस के ग्रामीण इलाकों में समाजवादी काफी सक्रिय थे। 1880 में 'सोशलिस्ट रेवलूशनरी पार्टी' का गठन कर लिया गया।

10. उथल- पुथल का समय -1905 की क्रांति

11. रुस में निरंकुश राजशाही था।

12. पादरी गैपाँन के नेतृत्व में मजदूरों का एक जुलूस विंटर पैलेस यानी जार का महल के सामने पहुंचा तो पुलिस और कोसेक्स ने मजदूरों पर हमला बोल दिया इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए और लगभग 300 घायल हुए। इस घटना को खूनी रविवार के नाम से जाना जाता है ।

13. 1905 की क्रांति के दौरान जार ने एक निर्वाचित संसद यानी ड्यूमा के गठन पर सहमति दे दी।

14. पहला विश्व युद्ध और रूसी साम्राज्य

15. 1914 में दो यूरोपीय गठबंधनों के बीच युद्ध छिड़ गया। एक खेमे मे जर्मनी, ऑस्ट्रिया और तुर्की जिसे केंद्रीय शक्ति कहा जाता है दूसरे खेमे में इंग्लैंड, फ्रांस, रूस और जापान जिसे मित्र राष्ट्र कहा जाता है।

16. इस युद्ध में शुरु में रूसियों का काफी समर्थन मिला जैसे-जैसे युद्ध लंबा खींचता गया जनसमर्थन कम हो गया।

17. जरीना (जार की पत्नी) और रासपुतिन नामक सन्यासी ने राजशाही को और अलोकप्रिय बना दिया।

1914 से 1916 के बीच जर्मनी और ऑस्ट्रिया ने रूसी सेनाओं की भारी पराजय झेलनी पड़ी। 1917 तक 70 लाख लोग मारे जा चुके थे।

पेट्रोग्राद में फरवरी क्रांति

2. 22 फरवरी को पेट्रोगाद की एक फैक्ट्री में तालाबंदी घोषित कर दी गई। अगले दिन मजदूरों के समर्थन से 50 फैक्ट्रियों के मजदूरों ने हड़ताल का ऐलान कर दिया।

3. बहुत सारे कारखानों में हड़ताल का नेतृत्व महिलाएं कर रही थी। इसी दिन के बाद अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नाम दिया गया। रविवार, 25 फरवरी को ड्यूमा को बर्खास्त कर दिया गया । 2 मार्च 1917 को जार ने गद्दी छोड़ दी।

4. फरवरी के बाद

5. अप्रैल 1917 में बोल्शेविक की निर्वासित नेता लेनिन लौट आए। लेकिन लेनिन के नेतृत्व में बोल्शेविक1914 से ही युद्ध का विरोध कर रहे थे।

6. लेनिन ने ब्यान दिया कि युद्ध समाप्त किया जाए सारी जमीन किसानों के हवाले की जाएं और बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाएं। इन तीन मांगों को लेनिन की "अप्रैल थीसिस" के नाम से जाना जाता है ।

7. अक्टूबर 1917 की क्रांति

8. अंतरिम सरकार और बोल्शेविकों के बीच टकराव बढ़ता गया।16 अक्टूबर 1917 को लेनिन ने पेट्रोग्राद सोवियत और बोल्शेविक पार्टी को सत्ता पर कब्जा करने के लिए राजी कर लिया।

© JCERT not to be republished

9. दिसंबर तक मास्को पेट्रोगाद इलाके पर बोल्शेविकों का नियंत्रण हो गया।

अक्टूबर के बाद क्या बदला?

1. अक्टूबर के बाद क्या बदला?
2. बोल्शेविक निजी संपत्ति की व्यवस्था की पूरी तरह खिलाफ थे।ज्यादातर उद्योगों और बैंकों का नवम्बर 1917 में ही राष्ट्रीयकरण किया जा चुका था।
3. 1918 में एक परिधान प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सोवियत टोपी का चुनाव किया गया।

   बोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर रूसी कम्युनिस्ट पार्टी (बोल्शेविक) रख दिया गया।
4. मार्च 1918 में अन्य राजनीतिक सहयोगी की असहमति के बावजूद बोल्शेविकों ने 'बेस्ट लिटोवस्क' में जर्मनी से संधि कर ली।
5. गृह युद्ध
6. जब बोल्शेविकों ने जमीन के पुनर्गठन का आदेश दिया तो सेना टूटने लगी क्योंकि ज्यादातर सेना के सिपाही किसान थे। वे घर लौटने लगे।
7. गृहयुद्ध के दौरान लूटमार, डकैती और भुखमरी जैसी समस्याएं बड़े पैमाने पर फैल गई। मध्य एशिया स्थित खीवा में बोल्शेविको ने उपनिवेश समाजवाद की रक्षा के नाम पर स्थानीय राष्ट्रवादियों का बड़े पैमाने पर कत्लेआम किया।
8. समाजवादी समाज का निर्माण
9. गृह युद्ध के दौरान बोल्शेविक ने उद्योगों और बैंकों के राष्ट्रीयकरण को जारी रखा। शासन के लिए केंद्रीय नियोजन की व्यवस्था की गई। पंचवर्षीय योजनाएं शुरू की गई।
10. पहली पंचवर्षीय योजनाएं 1927-1932 तक चली। इसमें एक विस्तारित शिक्षा व्यवस्था विकसित की गई। स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाई गई।
11. स्टालिन और सामूहिकीकरण
12. अर्थव्यवस्था के शुरुआती दौर खेती के सामूहिकीकरण से पैदा हुई तबाही से जुड़ा हुआ था।

    1927-28 में शहरों में अनाज की कमी हुई सरकार अनाज की कीमत तय कर दी।
13. लेकिन किसान उस कीमत पर बेचने को तैयार नहीं हुआ, कीमते बढ़ने लगी स्थिति पर काबू के लिए सट्टेबाजी पर अंकुश लगाया तथा व्यापारियों के पास जमा अनाज जप्त किया गया।
14. रुस में संपन्न किसान को 'कुलक कहा' जाता था। स्तालिन ने सामूहिकीकरण कार्यक्रम की शुरुआत की 1929 से पार्टी ने सभी किसानों को सामूहिक खेती यानी 'कोलखोजं में काम करने का आदेश जारी कर दिया।
15. इस फैसले से गुस्साए किसानों ने सरकार का विरोध किया और वे अपने जानवरों को खत्म करने लगे इसके बावजूद उत्पादन में नाटकीय वृद्धि नहीं हुई। 1930 से 1933 में अकाल पड़ा जिसमें 40 लाख से ज्यादा लोग मारे गए।

रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव

1. रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव
2. बोल्शेविक ने जिस तरह सत्ता प्राप्त किया और शासन चलाया उससे

© JCERT not to be republished

यूरोप के समाजवादी पार्टी सहमत नहीं थी।बहुत सारे देशों में कम्युनिस्ट पार्टियों का गठन हुआ।इंग्लैंड में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन की स्थापना हुई।

3. बोल्शेविक ने उपनिवेशों की जनता को भी उनके रास्ते का अनुसरण करने के लिए उत्साहित किया। सोवियत संघ के अलावा भी बहुत सारे देशों के प्रतिनिधियों ने 'कॉन्फ्रेंस ऑफ द पीपल ऑफ द ईस्ट' नामक संस्था बनाया।

4. बीसवीं सदी के अंत तक एक समाजवादी देश के रूप में सोवियत संघ की प्रतिष्ठा बहुत कम हो गई थी।

स्मरणीय तथ्य

- वोट डालने के अधिकार को मताधिकार कहते हैं।
- मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स ने "दास कैपिटल" नामक पुस्तक की रचना की
- 1917 की रूसी क्रांति से पहले जार निकोलस द्वितीय का शासन था।
- निकोलस द्वितीय की पत्नी का नाम जारीना था।
- 1914 में फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों की संख्या 31प्रतिशत थी।
- जार का महल को विंटर पैलेस कहा जाता था। बोल्शेविक दल की नेता लेनिन था।
- पंचवर्षीय योजना सोवियत संघ में 1927-1932 में लागू की गई।
- आॉरोरा एक युद्धपोत था जिसने विंटर पैलेस पर बमबारी शुरू की।
- कॉमिन्टर्न एक अंतरराष्ट्रीय संस्था थी जो कम्युनिस्ट इंटरनेशनल का संक्षिप्त रूप है।
- नियोजित अर्थव्यवस्था और खेती के सामूहिकीकरण स्तालीन की देन है ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. रूस में प्रथम विश्व युद्ध के समय किसका शासन था?

a. ज़ार निकोलस प्रथम
b. जार निकोलस द्वितीय
c. लेनिन
d. स्टालिन

प्रश्न 2. जारीना रूस के अंतिम निरंकुश शासक जार निकोलस द्वितीय का क्या थी?

a. पत्नी b. मां
c. बहन d. दादी

प्रश्न 3. सोवियत संघ में किसानों को सामूहिक खेती में काम करने का आदेश जारी हुआ, उसे क्या कहते हैं।

a. कोलखोज. b. कुलक
c. रैडिकल d. कैथोलिक

प्रश्न 4. 'रशियन सोशल डेमोक्रेटिक वर्कर्स पार्टी' की स्थापना कब हुई?

a. 1898 b. 1815
c. 1871 d. 1891

प्रश्न 5. 'दास कैपिटल' नामक पुस्तक के रचयिता कौन थे ?

a. मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स
b. लेनिन

© JCERT not to be republished

c. स्टलिन

d. इनमें से कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. अक्टूबर क्रांति से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 2. कुलक से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 3. उदारवादी से आप क्या समझते हैं?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. रूसी क्रांति का संक्षिप्त में वर्णन करें।

प्रश्न 2. रूस में स्टालिन के योगदान पर प्रकाश डालें।

© JCERT not to be republished